देश के विभिन्न भाग में घुमते घुमते ऐसे कई सामाजिक कार्यकर्ताओं से मिलने का अवसर मिला, जिन्हें कभी–कभी छोटे–छोटे मदद की आवश्यकता पडती है। किसी का एक्सीडेंट हो गया था तो किसी की मॉ बीमार है और इलाज के लिये पैसा चाहिये कोई तो अपने बेटों के पढाई के लिये चिन्तित है तो कोई बेटे के इलाज को लेकर कभी–कभी कार्यकर्ता लोग केश में फॅस जाते हैं तो उन्हें वकील के लिये सहयोग चाहिये ठीक समय पर छोटा सा सहयोग उनकी आवश्यकता है इसके अभाव में वे निराश होते हैं और समाजसेवा के प्रति आस्था कम हो जाती है इसी कारण से *'kf'k likV ,lkfl;u* के मदद से *ekuo thou fodkl lfefr* में शिक्षा और प्राकृतिक आपत्ति को मन में रखकर एक फण्ड कायम किया है इस फण्ड से जो आमदनी होती है इसका उपयोग पूर्ण रूप से कार्यकर्ताओं के सुरक्षा और स्वास्थ्य और बच्चों की पढाई में खर्च किया जाता है। पिछले दो–तीन वर्षों में करीब 67 ऐसे साथियों को समय पर मदद पहुॅचाने में हम सफल रहे । हमें पता है कि इस छोटी सी मदद से उनकी जिन्दगी में बडा असर पडता है ।

हम *'kf'k likV Qkm.M'ku* के प्रति आभारी है कि वे इस फण्ड को कायम करने में हमें मदद की कि हमारे ऊपर विश्वास दिखाया। हमारी कोशिश रहेगी कि इस फण्ड के माध्यम से ईमानदारी से सामाजिक कार्यकर्ताओं को और उनके परिवार को साथ दिया जाये । इस उद्धेश्य को आगे बढाने के लिये अगर कोई दूसरे संगठन इस फण्ड में योगदान देना चाहे उन्हें स्वागत है जिसे हम और अधिक लोगों की सेवा कर पायेंगे । इस छोटी सी पुस्तिका में कुछ ऐसे व्यक्तियों की जानकारी हम आपको दे रहे हैं जिन्हें इस फण्ड से लाभ हुआ है। हमें विश्वास है कि आप इस प्रक्रिया को आगे ले जाने में हमे साथ देंगे और हमें निरन्तर प्रोत्साहित करेंगे।

jktxkiky ih-Oh-

fjLd ¼LokLF; likV½

2015 ls 2017

dz-	fooj.k	QksVks
1	*fot; i/kku&* भुवनेश्वर उडीसा में लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले साथी विजय प्रधान जी को लकवा मार दिया, मासिक कोई ज्यादा सहयोग नहीं था डॉ. ने कहा 20–25 हजार लग सकते हैं आपके दवाई में नहीं विजय भाई जिन्दगी तक लगवा ग्रस्त ही रहेंगे। श्री राजगोपाल जी के पास आवेदन आने के बाद कमेटी ने निर्णय लिया कि इन्हें सहयोग किया जाये । तदूपरान्त सहयोग किया गया और आज विजय भाई अपने परिवार के साथ हॅसी–खुशी जिन्दगी व्यतीत कर रहे है।	
2	*ih- jkt&* तमिलनाडू वर्ष 2015 से बच्ची की तबियत ज्यादा खराब होने के कारण दवाई के लिये पैसा न होने के कारण मदद की गई क्योंकि पी. राजू उस क्षेत्र केएक सर्वोदयी कार्यकर्ता हैं, और लगातार समाज के अंतिम व्यक्ति को जगाने उठाने के काम में लगे हैं।	
3	*rxjkt* **BMK** *&* तमिलनाडू उत्तरप्रदेश के झॉसी हमीरपुर चरखारी से वर्ष 1989 में बन्धुआ मजदूरी से छुडवाकर तमिलनाडू के ट्रिची में बसाये गये परिवार से है। अचानक तबियत खराब होने के कारण अपने परिवार का भरण पोषण करना थोडा कठिन हो रहा था, गरीबी के कारण दवाई नहीं करवा पा रहे थे, दवाई हेतु सपोर्ट किया गया ।	
4	*Lo- Hkkos'kpUn ilkn flUgk &* मछागर प्रखण्ड के जगदीश गॉव के पूर्व विधायक, जेपी सेनानी, जेपी सलाहकार परिषद के सदस्य व सम्पूर्ण क्रान्ति मंच संस्थापक अध्यक्ष रहे। भोजपुरी बिहार लोकगीत गायक के नाम से मशहूर भावेश भाई की उम्र की ढलान में केंसर से पीडित होने के कारण दवाई में काफी खर्चा आ रहा था, आवेदन आने के बाद सहयोग किया परन्तु काफी जिन्दगी से लडते–लडते इस दुनिया में नही बच पाये।	

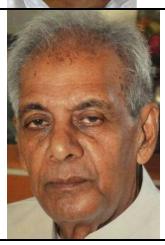

5	*d|ynhi frokjh&*जौरा जिला मुरैना में शादी–शुदा होकर संगठन के लिये सक्रिय भूमिका फोटोग्राफी में निभा रहे थे, पत्नी को मुँह में कैंसर होने के कारण काफी परेशान रहे लम्बी दवाई कराने के बाद और काफी पैसा भी खर्च किये परन्तु पत्नी को बचा नहीं पाये । अब एक बच्ची व एक बच्चा की परिवरिश करते काम में लगे हैं।	
6	*Ikoh=u th d|jyk* – स्वयं की तबीयत खराब होने के कारण सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते करते पैसों का अभाव था ही, दवाई कराने में सक्षम न होने के कारण थोडी सी मदद से स्वस्थ्य हुए फिर से संगठनात्मक कार्य में लग गये। हमारी शुभकामनाएँ । दो बार सहयोग किया गया ।	
7	*rkfgj Hkkbl Hkkiky &* 25 वर्ष की उम्र से किराये का ऑटो लेकर सवारी को इधर से उधर पहुचाते रहे उम्र की ढलान पर बीमार पडे तो न घर में ऑटो न आय का साधन बचा स्वयं की दवाई कराना संभव नहीं था, इस फण्ड से सपोर्ट करने के बाद अपनी दवाई कराये अब स्वस्थ्य हैं।	
8	*cht iky?kkV d|jyk &* केरला में सर्वोदय आन्दोलन से जुडे होने के कारण आय को कोई साधन नहीं था। जब तबियत खराब हुई थी तो दवाई कराना भी संभव नहीं हो पा रहा था इस फण्ड का सपोर्ट होने के कारण तबियत में सुधार आया दवाई ठीक से हुई ।	
9	*oh-oh- pUni'k[kju vkU/kk&* विशाखापटनम जिले में चटटी आश्रम की स्थापना के साथ उस जंगल में आश्रम चलाना संभव नहीं हो पा रहा था। परिवार की आर्थिक हालत व कार्यकर्ताओं की भी आर्थिक हालत खराब होती जा रही थी इससे थोडा सा सहयोग होने से उन सभी कार्यकर्ताओं को मदद की गई जिन्हें उनकी आवश्यकता थी, उससे आश्रम एक बार फिर चल पडा है।	
10	र?kohjnkl ljxtk NRrhlx<& संगठन के साथ लम्बे समय कार्य करते आ रहे अचानक दॉत में दर्द हुआ डॉक्टर को दिखाने के बाद पता चला की खतरा है, तुरन्त दवाई कराने या दॉत निकलवाने में ही सुविधा है पर आडे आ गया पैसा, आवेदन आने के बाद सहयोग किया गया दवाई हुई दॉत निकलवाया स्वास्थ्य हुये पुनः कार्य में लगे हुये हैं	
11	*: def.k HkkXko Hkkiky&* गॉधी भवन में रहते रहते पति रामचन्द्र भार्गव जी की उम्र के ढलान के अनुसार मृत्यु होने के बाद पैसा की जरूरत आई उम्र होने के कारण दवाई व अन्य खर्चों के लिये इस फण्ड से सहयोग होने के कारण ठीक से दवाई करा पाई और अब स्वास्थ्य होकर गॉधी भवन के काम लगी हुई हैं।	

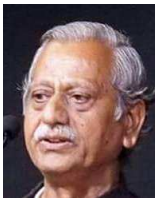

12	*je'kpUn 'kek fnYyh* & गॉधी शान्ति प्रतिष्ठान में गॉधी विचार को फैलाने वाले अपने कामों में तल्लिन ही थे की अचानक कुछ हुआ और अपने काम से बाहर नहीं जा पा रहे थे, थोडी सी मदद करने से पुनः अपने काम में सुचारू रूप से चलने लगे ।	
13	*j?kukFk lu e>xok dVuh* & मुह से आवाज न निकलने के बावजूद भी अपने परिवार का भरण पोषण करना है। बाल काटने की एक छोटे से टपरे में दुकान चलाने वाले रघुनाथ अपने परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम नहीं हो पा रहे थे इसी बीच बच्ची का एक्सिडेंट हुआ तब दवाई हेतु सहयोग किया गया।	
14	*ed'k 'kkD;k dVuh* & फिलहाल ज्यादा कोई काम न होने के कारण आमदनी का जरिया नहीं था श्री राजा जी के पास मदद हेतु आवेदन देने से आर्थिक सहयोग किया गया ।	
15	*vuhrk flg fct;jk?kox<&* अक्टूबर माह में फेसबुक और वॉटसआप में एक मैसेज चला कि वियजराघवगढ के पास एक गॉव में गरीब परिवार की 29 वर्षीय अनीता सिंह को हार्ट अटैक आया है और उसे बायपास कराने के 2.25 लाख लगेगा सभी से निवेदन किया गया नागपुर में भर्ती अनीता सिंह के भाई का खाता नं. दिया गया कटनी जिले के लोगों ने 500 से 1000रू. तक सहयोग कर रहे थे मेरे पास भी खबर आई हमारे विजयराघवगढ के साथियों द्वारा मैंने भी 1000 रू. का सहयोग करने का मन बनाया और 07 नवम्बर को दे दिया 21 दिन बाद खबर आई कि अनीता सिंह को जितना पैसा चाहिये था उतना मिल गया था और उनका सफल ऑपरेशन हुआ और वह घर वापस आकर अपने परिवार के साथ खुशी होकर रह रही है और ठीक होने के बाद वापस आने पर सभी को धन्यवाद पत्र लिख आभार व्यक्त किया ।	
16	*jfcdekj ;kno fnYyh&* रवि कुमार यादव को अपने गॉव उत्तरप्रदेश में मोटर सायकल से एक्सीडेंट हो गया पूरा जबडा ही उखड गया लखनऊ के एक बडे अस्पताल में भर्ती कराया गया डॉ. द्वारा काफी पैसों की मॉग की गई कुछ तो था परन्तु कुछ घट रहा था रवि के भाईयों से बातचीत होने के बाद निर्भय सिंह और अनीष कुमार ने श्री राजा जी के पास खबर पहुँचाकर उचित मदद किया गया । रवि ठीक हुआ पुनः संगठन के ऑफिस दिल्ली में आकर रहकर सभी को मीठी मीठी चाय और खीर खिलाने लगा देखकर अच्छा लगता है।	
17	*i'kkUr dekj ih-0gh- & ¼iRuh½* – बाल्या आवस्था से केरल से आकर छत्तीसगढ में सामाजिक क्षेत्र में काम करते करते यहीं पर शादी करने के बाद काम निरन्तर करते ही रहे अचानक पत्नी ऊषा की तबियत खराब होने कारण दवाई करवा पाने में सक्षम नहीं थे, आवेदन व डॉक्टर की रिपोर्ट के आधार पर सहयोग किया गया अब दोनो स्वास्थ्य हैं।	
18	*vkj- d- lUnju djyk* & अपने क्षेत्र में सामाजिक कार्य करते करते वहॉ निवासरत गरीब परिवार की बच्चियों के पढाई का माहौल देखकर मदद करने की इच्छा तो सबकी होती है इसी विचार के साथ सुन्दरन जी ने उन गरीब बच्चियों की मदद करने के लिये श्री राजा जी से पुकार कर मदद किया ।	

19	*Kku’ojh djyk* & केरला के अपने जिले के ब्लाक स्तरीय SHG समूहों के नेटवर्क में बुजुर्ग महिलाओं को दवाई कराने हेतु मदद की मॉग की गई थी जिसमें मदद करने से अब सब महिलाएॅ स्वास्थ्य होकर अपने–अपने SHG स मूहों के काम में लग गई हैं।	
20	*lrk"k Hkkjrh nekg* & दाये पैर में सॉप फुफकार से घुटने के नीचे का हिस्सा गलने जैसे लगा था, आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दवाई भी ठीक से नहीं करा पा रहे थे बच्ची शादी योग्य हो रही थी पैर की दवाई के लिये सहयोग किया गया दवाई कराये पैर ठीक हुआ, स्वास्थ्य होकर अब एकता लोक कला मंच के साथ ढोलक की थाप पुनः देने में लगे हुये हैं।	
21	*Lokrh dij fnYyh* & अपनी खुद की पढाई कर रही थी अपनी मॉ के साथ कमाना और रहने के साथ पढाई पर भगवान की क्या शुक्र रहा कि अचानक मॉ और खुद बीमार हो गई दवाई के लिये दिल्ली जैसे महानगर में पैसे भी राजा जी से पुकार लगाई मदद की गई दवाई के बाद दोनो स्वास्थ्य हैं।	
22	*je'k vtkuh Vhdex<&* गॉव में ही सडक दुर्घटना में पैर फैक्चर होने के कारण बुन्देलखण्डी कवि अपनी दवाई नहीं करा पा रहे थे ताकि वह ठीक होकर बुन्देलखण्डी कविता का पाठ संगठन के क्षेत्र में कर सके इस सहयोग से पैर की दवाई कराई प्लास्टर लगवाया अब ठीक होकर पुनः बुन्देलखण्डी कविता का पाठ संगठन में करने लगे।	
23	*, l- /kujkt enjb* & बच्ची की बीमारी के कारण हालत नाजूक होती जा रही थी जिससे वे संगठनात्मक कार्य ठीक से नहीं कर पा रहे थे, काफी परेशान सा जीवन जी रहे थे, आवेदन के अनुसार सहयोग से बच्ची का दवाई कराये और बच्ची स्वास्थ्य होते ही अपने काम में पुनः लग गये । तमिलनाडू के काम को इस समय संभाल रहे हैं ।	
24	*gjo'k flg ejbl dVuh* & उम्र का तकाजा आता ही है की बच्चे जब बडे होते हैं तो उनकी शादी व्याह के लिये चिन्ता होना उसी चिन्ता के समय दुर्घटना में घटी शरीरिक रूप से कमजोर हुये तबियत भी ठीक नहीं थी एक हाथ उपर उठता भी नहीं हैं इस सपोर्ट से पारिवारिक मदद हुई और जीवन ठीक से चलने लगा।	
25	*luhy dekj Hkkiky* & (मन्दिर) मन्दिर की पूजा करते करते उस क्षेत्र में सामाजिक कार्य करते हुये अचानक आर्थिक तंगी आई और भगवान का शुक्र रहा कि समय से मदद मिलने के कारण तबियत ठीक हुई और पुनः उसी कार्य में लग गये।	
26	*foukn dekj flg Hkkiky* & मेरठ में रहते समय मोटर सायकल से एक्सिडेंट हुआ हाथ पैर में काफी लगा था, हाथ में तो प्लास्टर ही लगाना पडा भोपाल आफिस में काम करते करते सहयोग भी कम हो रहा था इस सपोर्ट के बाद तबियत सुधरी और पुनः संगठन के युवा नेतृत्व का कार्य करने लगे।	

27	i’kkUr i.djk mMhlk & उडीसा की मलेरिया से लगभग सभी लोग परिचित ही हैं । इसी का शिकार हुये प्रशान्त पैकरा जी, मलेरिया में भी कई प्रकार जो सबसे खतरनाक होता है वह हुआ था इनको यह अच्छी बात थी की घर के लोगों ने जल्दी हॉस्पिटल लेकर गये दवाई प्रारम्भ हुई, पैसा न होने के कारण परिवार थोडा परेशान हुआ मदद करने से पैकरा जी का जीवन बच गया ।	
28	vkj- vuoMxu rfeyukM & परिवार बढने से घर की आवश्यकता भी बढते गई अचानक तबियत खराब होने से दवाई करवा पाना थोडा मुश्किल था। दिनों दिन तबियत ज्यादा खराब हो रही थी और उनके क्षेत्र का सामाजिक कार्य भी पिछड रहा था, संगठन का काम बडे ही ईमानदारी से करते करते क्या हुआ पता नहीं कि पत्नी की तबियत खराब हो गई काफी खराब हुई परेशान अडवडगन ने चारो तरफ मदद की गुहार लगाई राजा जी द्वारा भी मदद का आश्वसन दिया गया और भुगतान भी किया गया दवाई कराये पत्नी ठीक हो गई है। दो बार सहयोग किया गया।	
29	vjfoUn JhokLro ¼,M½ tcyiqj & बैगा परिवारों की कोर्ट कचहरी के केश लडते लडते खुद आर्थिक रूप से परेशान हो गये। धीरे धीरे तबियत खराब होने लगी थी आर्थिक तंगी के कारण परेशानी आई मदद करने से दवाई कराने के बाद अब स्वास्थ्य हैं फिर चल पडे उन आदिवासियों की मदद करने के लिये ।	
30	d- 0gh- chtw djyk & स्वयं की परेशानी तो नहीं थी परन्तु जिनकी परेशानी थी तो उनका बैंक खाता चालू नहीं था पैसा न होने के कारण बन्द हो गया था गॉव के उस महिला का यहॉ से मदद भी करनी थी तो बीजू भाई के पास भेजकर उनको मदद कराये तो वे अपनी दवाई कराकर स्वास्थ्य ।	
31	o.kxkiky ,jukdqye djyk & एरनाकुलम के एक स्कूल में लडकियों की फीस न भर पाने के कारण परिवार काफी परेशान क्योंकि घर में माता–पिता की तबियत भी खराब रहती थी, सारा पैसा दवाई खर्च में लग रहा था इस सहयोग से परिवार को थोडी राहत महसूस हुई धन्यवाद दिया ।	
32	lqjs’k ckcw djyk & भगवान की कैसी महिमा कि सर्वोदय विचार धारा पर काम करते पत्नी और बच्ची दोनों एक साथ बीमार पड गई घर में पैसा नहीं था, कि ठीक से दवाई करवा सके ऐसे मदद से दोनों की दवाई कराई दोनो स्वास्थ्य होकर सुरेश बाबू के काम में मदद करने लगी।	
33	dksnw yky fo’odekZ gVk nekg & मस्तिष्क ज्वर होने के कारण खटिया में ही लेटने का सहारा हो गया था, बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सामाजिक काम की नीव रखने वाले कोदू लाल जी की हालत खराब होती जा रही थी परन्तु भगवान का शुक्र है कि थोडी सी मदद से उनकी तबियत ठीक हो गई अब कुशलक्षेप से फिर से हटा की कचहरी पर लोगों के आवेदन लिखने में लग गये ।	
34	Lo- iw.kZpUn Hkksik ckuiqj mMhlk & यह बीमारी किसी को न हो यही भगवान से दुआ मागता हूॅ, जो पूर्णाचन्द भोपा जी को हुई ब्लड केंसर से पीडित भोपा जी अपने घर की पूरी धनदौलत दवाई में लगाते हुये घर भी खाली, पत्नी संध्या काफी परेशान थी इस फण्ड से मदद करने से भोपा जी दो चार दिन और बच पाये थे बस इतना हुआ की अपनी जिन्दगी से हार गये।	

35	lUuh Mh d`jyk & सामाजिक कार्य करते हुए अपने घर में समय कम दे पा रहे हैं इसी बीच पत्नी और बच्ची की तबीयत खराब हो गई दवाई कराने के लिये पैसा नहीं था दवाई कराने की आवेदन किया सहयोग किया गया दवाई होने के बाद अब दोनो स्वास्थ्य हैं।	
36	chjUn d`ekj >kj[k.M & ऐसे गॉव की मदद करना जहॉ कि एक साथ कई लोग बीमार पड गये और आदिवासी परिवार के थे उन्हें तुरन्त मदद चाहिये थी ताकि लगभग 10–12 लोगों की जान बचाई जा सके ऐसे ही घटना को मदद किया गया और तुरन्त दवाई कराई गई और सब के सब आदिवासी बच गये ।	
37	iHkk'kuh jkmr mMhlk & पति बच्चे के साथ अपना जीवन यापन कर ही रही थी कि अचानक क्या हुआ ये तो भगवान ही जाने परन्तु तबियत काफी खराब हुई मदद की दरकिनार थी खबर आई बातचीत हुई मदद कि गई और दवाई कराई तो तबियत में सुधार आया ।	
38	mn;u th d`jyk & स्कूल के एक छात्रा की तबियत दिनों दिन खराब होती जा रही थी तबियत सुधार की ओर नहीं दिखाई दे रही थी इसी बीच राजा जी का भ्रमण केरला में हुआ भ्रमण के दौरान स्कूल प्रबंधन ने बात किया तो मदद करने की बात आई मदद किया गया छात्रा की तबियत ठीक हुई अब स्कूल आने लगी।	
39	dey'k jkBkj flgkj & संगठन का काम करते करते अचानक काम छूट गया तो आर्थिक स्थिति खराब होने लगी बच्चे बडे थे एक दिन बच्ची की तबियत ज्यादा खराब हुई तो आर्थिक परेशानी सामने खडी थी थोडी सी मदद की गई तो बच्ची की दवाई के साथ अब स्वास्थ्य हैं।	
40	/kUujke Tk;r dkjck & रात को जयते गॉव में गॉव वालो के साथ मीटिंग चल ही रही थी कि सामने बैठा एक दुबला पतला व्यक्ति कराह रहा था पता चला कि टी.वी. की बीमारी से परेशान है, पैसा है तो है नहीं धन्नू राम को मदद की गई अपनी दवाई कराया और अपने परिवार के साथ खुशी खुशी रहने लगा।	
41	fo".k fu"kkn frYnk jk;iqj & तिल्दा आश्रम में खाना बनाने के काम में काफी दिनों से लगे थे पत्नी और बच्ची की तबियत दिनों दिन खराब हो रही थी कम पैसा मिलने के कारण ठीक से दवाई भी नहीं करा पा रहे थे मदद किया गया बच्ची और पत्नी की दवाई कराया अब परिवार स्वस्थ्य है।	
42	tkudh ckbZ frYnk jk;iqj & पति की मृत्यु होने के बाद घर की स्थिति कमजोर हो रही थी और लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में काम करते करते आर्थिक स्थिति उतनी मजबूत नहीं थी की अपनी और अपने परिवार को ठीक से चला सके इसी दौरान मदद करने की बात आई और मदद करने से अभी परिवार की स्थिति ठीक से चल रही है।	

43	*'kgkc)hu [kku fgMkfj;k nekg* & एकता लोक कला मंच में सक्रिय भूमिका निभाने वाले शहाबुद्धीन के पिता जी की जब तबियत खराब हुई और उसी समय उनकी शादी होनी थी दोनों का भार सह पाने में शहाबुद्धीन सक्षम नहीं थे शहाबुद्धीन ने अपने पिता जी की दवाई कराना ज्यादा उचित समझा और मदद से मिले पैसे से उन्होंने शादी की परवाह किये बिना पिता जी की दवाई कराया ।	
44	*Vh-ih-vkj- ukFk rfeyukM* & अपने जिले व क्षेत्र में सामाजिक कार्य करते करते अचानक बच्ची की तबियत खराब हुई सामाजिक कार्यकर्ता होने के कारण अपनी बच्ची की दवाई कराने में सक्षम नहीं थे खुद का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था उम्र की ढलान थी इसी कारण से बच्ची की दवाई हेतु मदद की गई और बच्ची अब स्वस्थ्य है स्कूल की पढाई चालू किये हुए हैं।	
45	*TkCckj Hkkbl Hkkiky* & भोपाल में रहते रहते सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक लम्बी टीम खडी कर भोपाल शहर में काम को अच्छे प्रकार से किया परन्तु महौल ऐसा बना कि कार्यकर्ताओं की आर्थिक हालत खराब होने लगी उन्हें सहयोग की अपेक्षा पडी परन्तु मदद नहीं कर पा रहे थे आवेदन के अनुसार मदद कि गई और अपने कार्यकर्ताओं का यथा संभव मदद किये आज फिर से पूरी टीम साथ खडी और भोपाल के सामाजिक कार्य को संभाल रहे हैं ।	
46	*iUudky enjbl* & प्रारम्भ से ही शशि सेन्टर की देखरेख का काम अपने चीर परिचित हालत से संभाल ही रहे थे कि अचानक बच्चे की तबियत खराब होने से दवाई करा पाना मुश्किल सा होने लगा था । तमिल भाषा में दिया गया आवेदन, आवेदन के अनुसार मदद से तबियत ठीक कराने हेतु दवाई कराया जहॉ जाकर बच्चे की तबियत ठीक हुई और मन लगाकर सेन्टर की देखभाल में पुनः लग गये।	
47	*rh: eybl rfeyukM* & अपने उम्र में पूरे इलाके में दौड दौड कर लोगों को संगठित करने का काम करते थे अचानक तबियत खराब हुई सहयोग भी कम मिलता था आवेदन के अनुसार मदद की गई और अपनी दवाई डॉक्टर से कराये और स्वास्थ्य होकर पुनः काम में लग गये।	
48	*txnh'ku enjbl* & सर्वोदय के काम में निरन्तर थैला लेकर घुमने वाले युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत जगदीशन जी के पत्नी की अचानक तबियत खराब हुई और दवाई नहीं करा पा रहे थे राजा जी के सम्पर्क में आने के बाद आवेदन आया और मदद की गई अब पत्नी स्वस्थ्य है।	
49	*c.kxkiky fpRrM djyk* & केरला के चित्तर जिले में रहने वाले वेणूगोपाल जी अपने इलाके की महिलाओं व बच्चियों की मदद करते रहते हैं । उसी दौरान उनकी मदद की सीमा पार हो रही थी इसी कारण राजा जी से सम्पर्क बनाकर और बच्चियों की मदद करने की गुजारिश की और मदद की गई लगभग सभी बच्चियॉ ठीक है।	
50	*mUuhd".ku dkyhdV djyk* & उन्नी जी के साथ काम करने वाले कार्यकर्ताओं की स्वास्थ्य और पढाई की थोडी परेशानी आई तभी श्री राजा जी के साथ मदद की गुहार की तभी मदद किया गया और लगभग सभी को यथा उचित ठीक दवाई करा स्वास्थ्य	

	लाभ दिया गया।	
51	*tke'k yDdk djyk &* काम का बोझ और बच्चों का बडा होना दोनों चल रहा था, लुक्का के साथ इसी बीच परिवार में स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानी आई और आवेदन दिया जिससे मदद की गई और सभी को यथा उचित दवाई कराकर स्वास्थ्य लाभ दिया गया।	
52	*lj'k tkt djyk &* सुरेश जार्ज जी तो अपने लिये नहीं परन्तु अपने आसपास के समाज के लिये काफी काम करते रहते हैं उसी के लिये वे दौडधूप करते हैं और खासकर बालक बालिकाओं को मदद करना उनका पेसा जैसा ही बन गया इसी दौरान उन्हीं बच्चों को हेल्थ समस्या के लिये मदद किया गया और सुरेश बाबू ने सबको ठीक कराया अब सब अपने अपने पढाई मे लगे हैं।	

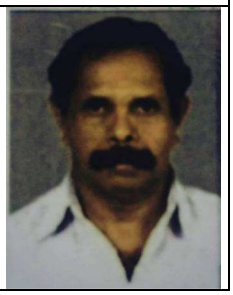

, tqds'ku likV

dz-	fooj.k	QksVks
1	*lf"V ljxe fcgkj &* एक महत्वपूर्ण सफलता यह है कि बिहार के महान सर्वोदयी कार्यकर्ता की बच्ची सृष्टि सरगम अपने कैरियर के लिये IAS की तैयारी की पर पैसा न होने के कारण पढाई पूरी नहीं कर पा रही थी, सृष्टि के पिता ने श्री राजगोपाल पी.व्ही. जी से चर्चा किये और आवेदन दिये तो उन्हे सहयोग किया गया और दूसरे लोगों से भी सहयोग की अपील की गई सहयोग मिलने के बाद सृष्टि भोपाल में रहकर अपने पढाई की तैयारी में लगी हमारी शुभकामनाऍं हैं कि उन्हें सफलता मिलेगी। इसके अलावा आयुर्वेदा मेडिसन की भी पढाई कर रही है।	
2	*luhy 'kek tkjk ftyk ejuk &* गॉधी आश्रम में रहते रहते काम करते हुये बच्चे बडे हुये बच्ची की कॉलेज में एडविशन कराना था, पास में पैसे भी नहीं थे परन्तु बच्ची पढने में सक्षम थी एजुकेशन फण्ड से मदद करने के बाद कॉलेज में एडविशन हुआ अच्छे अंकों से आगे बढ रही है यह सुनकर अच्छा लग रहा है।	
3	*eks- [kku jktunxkao&* सामाजिक क्षेत्र में लम्बे समय से काम करते समय से बालाघाट जिले के रहने वाले मो. खान राजनांदगॉव को अपना कर्म स्थली बनाया वहीं के बन के रह गये बच्चों की पढाई की आर्थिक परेशानी के कारण आगे पढा नहीं पा रहे थे आर्थिक मदद करने से अपने बच्चां को पढाई ठीक से करा पा रहे है।	
4	*noUn flg cuk ';kij&* चम्बल क्षेत्र में बना जी के नाम से मशहूर गॉव गॉव घूमना ही उनकी दिनचर्या बन गयी है लोगो की मदद करना ही इनका प्रमुख काम है, घर में बच्चे बडे बडे होने लगे एक दिन बडी बच्ची ने कहा मैं आगे पढूगी पर बना जी के पास पैसा न होने के कारण आगे पढा पाने में सक्षम नहीं थे इस फण्ड से मदद की गई और बच्ची को आगे कॉलेज में एडविशन कराया बच्ची आगे की पढाई जारी रखे हुये है।	

5	l|;dkUr Hkkjrh ucknk fcgkj& बिहार के सुपौल क्षेत्र के सर्वोदय कार्यकर्ताओं के घरों में तो हमेशा आर्थिक तकलीफ रहती ही है इसी के जीते जागते उदाहरण सूर्यकान्त भारती जी हैं ओर आज की पढाई महॅगी होने के कारण बच्चों को पढा पाना मुश्किल सा हो गया है। सूर्यकान्त भारती जी ने अपने बच्ची को अच्छी शिक्षा देने को सोचा और आगे पढाने का मन बनाकर मदद की गुहार लगाई मदद की गई बच्ची आगे पढने लगी सुनकर अच्छा लगता है।	POOJA BHARTI VED PRAKAS BHARTI
6	l|jUn d';i fcyklij& 12 वीं कक्षा में अच्छे अंकों से पास होने के बाद रायपुर में कॉलेज में एडविशन लेना था 50 हजार की फीस की मॉग की गई सुरेन्द्र जी के पास पैसे नहीं थे यहॉ से नियम के मुताबिक सहयोग किया गया और लोगों से सहयोग लेने के बाद बच्चे का एडविशन कराया गया वहॉ भी अच्छे अंकों पास होकर आगे बढ रहे हैं।	
7	d| Hkkufi|;k rfeyukM& बन्धुआ मजदूरी से रिहा किये परिवारों में से उनके बीच में काम करने वाली गीता बहन चेन्नई से सहयोग के लिये आवेदन आया कि इन परिवारों का ठीक से यहॉ व्यवस्थापन नहीं हो सका है और इनके बच्चे पढाई में कमजोर व स्वास्थ्य की दृष्टि से भी कमजोर है लगभग काफी समय बीमार रहते हैं इसी कारण से इनको काफी मदद की जरूरत है गीता बहन के सहयोग से यह काम किया जा रहा है।	
8	,e- jktl’ojh rfeyukM& बन्धुआ मजदूरी से रिहा किये परिवारों में से उनके बीच में काम करने वाली गीता बहन चेन्नई से सहयोग के लिये आवेदन आया कि इन परिवारों का ठीक से यहॉ व्यवस्थापन नहीं हो सका है और इनके बच्चे पढाई में कमजोर व स्वास्थ्य की दृष्टि से भी कमजोर है लगभग काफी समय बीमार रहते हैं इसी कारण से इनको काफी मदद की जरूरत है गीता बहन के सहयोग से यह काम किया जा रहा है।	
9	'khry d';Ik i|’kkUr dekj ih-0gh- tk|txhj pkik NRrhlx<& रिश्ते में भॉजी लगती है इन्दौर में पढाई कर रही थी कि अचानक कॉलेज में फीस जमा करने का समय आ गया घर में पैसा था नहीं परन्तु फीस जमा करना जरूरी था नहीं परीक्षा में बैठना मुश्किल साल भर की मेहनत बेकार जाती इस फण्ड से मदद करने से परीक्षा में बैठकर अच्छे अंकों से पास हुई।	
10	d|- ;kno jkt| vkU/kkin|’k& बच्चियों की पढाई चल ही रही थी परन्तु अच्छे स्कूल में दाखिला लेने के लिये फीस की काफी दिक्कत थी फीस जमा करने में सक्षम नहीं थे, इस फण्ड की मदद करने से के. यादव राजू अपने बच्चियों को K.Saisree B.Com II Years and K.Thejasri M.Com.II Years स्कूल में दाखिला करा पाने में सक्षम हुए और बच्ची अच्छी तरीके के स्कूल में पढाई करने लगी ।	
11	>ydjke ;kno frYnk jk;iij& आश्रम में रसोईया का काम करते करते बच्चे बडे हुए बच्चों की पढाई ठीक से हो नहीं पा रही थी कि बच्चे ठीक से पढ सके आवेदन के अनुसार मदद की गई बच्ची को अच्छे स्कूल में दाखिला दिलवाया और बच्ची अच्छे अंकों से पढाई कर रही है। झलकराम खुश है।	
12	d".kk l|cf) ckuiij [kmk mMhlk & स्वयं की पढाई आगे करने के लिये कॉलेज में दाखिला लेना था परन्तु घर की हालत आर्थिक रूप से काफी कमजोर थी श्री राजा जी के उडीसा भ्रमण के दौरान अपना आवेदन अपने बैंक पासबुक की फोटो कापी कराकर निवेदन किया कि मुझे आगे पढाई करना है क्या मेरी आप मदद कर पायेंगे इन बातों के बाद राजा जी ने बैंक पासबुक की फोटो कापी देते हुये सहयोग करने का निर्णय लिया । आज कॉलेज में दाखिला लेकर अपनी पढाई में लगी हुई है।	

13	*jk/kk fl g egj lruk&* राधा पति बदन सिंह का पुत्र शिवनारायण सिंह को कॉलेज में दाखिला लेने हेतु फार्म भरा था तो उनका चयन हो गया था परन्तु फीस के लिये पैसों की कमी पड रही थी आवेदन देने के बाद मदद की गई तो बच्चा कॉलेज में दाखिला ले पाया और पढाई करने के साथ इंजीनियरिंग में सक्षम बनने के लिये तैयारी कर रहा है।	
14	*dkfUr &* कान्ति अपने कैरियर को लेकर काफी सजग रहती है इसीलिए अपने पढाई के लिये काफी ध्यान देते हुए IAS की तैयारी कर रही है इसी कारण मुम्बई में रहकर कोचिंग कर रही है यहॉ की फीस 1 लाख 80 हजार रू. है रवि भाई के मदद से इस बच्ची को मदद के लिये लोगों को कहा गया तो लोगों ने पैसा इकटठा करना व भेजना प्रारम्भ किया है ऐसा विश्वास है कि कान्ति अपने सफलता की ओर ले जायेगी।	
15	*'kqHke&* शुभम मुम्बई में रहकर MSC केमेस्ट्री से IIT कर रहा है यूनिवर्सिटी में काफी फीस लगने के कारण मदद की दर किनार थी इसी बात को रवि भाई ने आगे बढाया और छोटे–छोटे स्तर से लोगों ने मदद करना प्रारम्भ किया और शुभम की पढाई धीरे–धीरे आगे बढ रही है हम सबका मानना है कि शुभम आगे बढेगा।	

Manav Jeevan Vikas Samiti

Vill-Bijauri P.O.Majhagawan (Barhi Road)

Distt.Katni (M.P.) 483501

mjvskatni@gmail.com

www.mjvs.org.in